This question paper contains 4 printed pages.

B.A. (Sem. - II)

Roll No. 204486

AEC - HIN 043173 **AEC-52T-104**

B.A. Three/Four year (Semester - II) EXAMINATION

SESSION 2023-24 (Held in Jul. 2024)

(Ability Enhancement Course)

सामान्य हिन्दी (साहित्य)

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 40

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न–पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर–पुस्तिका नही दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर–पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

खण्ड – अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 12 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1/2 अंक का होगा।

खण्ड – ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई से एक अवतरण (एक पाठ से एक) कुल चार अवतरण आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंक का होगा।

खण्ड – स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है जिसमें इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा।

खण्ड – अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 1/2 अंक का है।

   i. सूरदास द्वारा 'भ्रमरगीत' क्या है? समझाइये।

   ii. कहानीकार ने कहानी 'उजाले के मुसाहिब' किसके माध्यम से सुनाई है?

   iii. नाखून का बढ़ना और उस का काटना किसका प्रतीक है?

   iv. 'ईदगाह' कहानी में किसका चित्रण किया गया है?

   v. 'इन्सपेक्टर मातादीन चाँद पर' निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

vi. कबीर किस काव्य धारा के प्रतिनिधि कवि है?

vii. मीरा की भक्ति किस प्रकार की है?

viii. मातृभूमि का मुकुट क्या है?

ix. 'वह तोड़ती पत्थर' कविता की रचना किस कवि ने की है?

x. महादेवी वर्मा का जन्म और मृत्यु कब हुई?

xi. अज्ञेय का पूरा नाम क्या है?

xii. गुलाबी चूड़ियाँ किसका प्रतीक है?

कुल अंक 06

खण्ड – ब

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

वह तोड़ती पत्थर,

देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर–

वह तोड़ती पत्थर।

नहीं छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,

श्याम तन, भर बँधा यौवन,

नत नयन प्रिय, कर्म–रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार बार प्रहार–

सामने तरु–मल्लिका अट्टालिका, प्राकार।

अथवा

साँप !

तुम सभ्य तो हुए नहीं,

नगर में बसना,

भी तुम्हें नहीं आया।

एक बात पूछूँ – (उत्तर दोगे?)

तब कैसे सीखा डँसना–

विष कहाँ पाया? अंक 3½

3. मैं तो साँवरे के रंग राची।

साजि सिंगार, बाँधि पग घुँघरू, लोकलॉज तजि नाची।

गई कुमति, लई साध की संगत, भगत रूप भई साँची।

गाइ–गाइ हरि के गुन निसदिन, काल ख्याल सों बाँची।

उण बिन सब जग खारो लागत, और बात सब कायी।

मीरा श्री गिरधरन लाल सूँ, भगति रसीली जाँची।।

अथवा

सतगुर सवाँ न को सगा, सोधी सई न दाति।

हरिजी सवाँ न को हितु, हरिजन सई न जाति।।

बलिहारी गुर आपणैं, द्यौं हाड़ी कै बार।

जिति मानिष तैं देवता, करत न लागी बार।। अंक 3½

4. बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया, और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। वह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है। दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर उस का मन कितना ललचाया होगा। इतना जब्त इससे हुआ कैसे? वहाँ भी इसे अपनी बुढ़िया दादी की याद बनी रही।

अथवा

मैनें अनेक कुत्ते देखे और पाले हैं, किंतु कुत्ते के दैत्य से रहित और उसके लिए अलभ्य दर्प से युक्त मैंने केवल नीलू को ही देखा है। उसके प्रिय से प्रिय खाद्य को भी यदि अवज्ञा के साथ फेंककर दिया जाता, तो वह उसकी ओर देखता भी नहीं, खाना तो दूर की बात है। यदि उसे किसी बात पर झिड़क दिया जाता तो बिना बहुत मनाये वह मेरे सामने ही न आता। कुल अंक 3½

5. मनुष्य को सुख कैसे मिलेगा? बड़े–बड़े नेता कहते हैं, वस्तुओं की कमी है और मशीनें बढ़ाओ, उत्पादन बढ़ाओ और धन की वृद्धि करो और बाह्य उपकरणों की ताकत बढ़ाओ। एक बूढ़ा था, उसने कहा बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो। हिंसा को मन से दूर करो, मिथ्या को हटाओ, क्रोध और द्वेष को दूर करो, लोक के लिए कष्ट सहो, काम करने की बात सोचो।

अथवा

यह कथा सुनाते हुए उनकी आँखों मे आँसू छलछला उठे। कुछ भर्राए हुए स्वर में उन्होंनें मुझसे कहा था–''अमरीत, आज भी जब उसके संबंध में सोचता हूँ तब यह ख्याल आता हैं कि वह प्रकाशित होने पर मेरी सर्वोत्तम रचना कही जाती। मैंनें छह महीने में बड़ी संलग्नतापूर्वक उसे समाप्त किया था।'' 3½

खण्ड – स

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रशन 5 अंक का है।

6. 'उजाले के मुसाहिब' कहानी की मूल संवेदना एवं भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नीलू का चरित्र–चित्रण कीजिए। 5

7. ईदगाह कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

हरिशंकर परसाई ने "इन्स्पेक्टर मातादीन चाँद पर" पाठ में पुलिस – प्रशासन की विसंगतियों पर प्रकाश डाला है। स्पष्ट कीजिए। 5

8. मीराँ की भक्ति–भावना को सोदाहरण समझाइये।

अथवा

कबीर का समाज सुधारक रूप स्पष्ट कीजिए। 5

9. नागार्जुन द्वारा रचित कविता 'गुलाबी चूड़ियाँ' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 5